कृष्ण गायत्री मन्त्र

ॐ। हम देवकी के प्रिय पुत्र को जानें।
हम वसुदेव-पुत्र पर ध्यान करें।
भगवान श्रीकृष्ण हमारे पथ को आलोकित करें और हमें आत्मज्ञान प्रदान करें।

अंग्रेज़ी भाषान्तर ©२०१९ एस. वाय. डी. ए. फाउन्डेशन® सर्वाधिकार सुरक्षित।

प्रत्येक वर्ष, वे सभी जो मधुर सरप्राइज़ में भाग लेते हैं व श्रीगुरुमाई के सन्देश का अध्ययन करते हैं, उनके पास श्रीगुरुमाई द्वारा दिए गए प्रवचन में निहित सिखावनियों का अभ्यास करने के लिए कई साधन उपलब्ध होते हैं। उनमें से एक है, शास्त्रों से लिए गए मन्त्रों को गाना व उन पर ध्यान करना। इनमें गायत्री मन्त्र सम्मिलित हैं। गायत्री मन्त्रों को गाना, मन को केन्द्रित करने का एक शक्तिशाली तरीक़ा है।

वर्ष २०१९ के अपने सन्देश-प्रवचन में, गुरुमाई जी श्रीभगवद्गीता की सिखावनियों को समझाती हैं। यह शास्त्रग्रन्थ एक गान है जिसमें भगवान श्रीकृष्ण अपने शिष्य अर्जुन को ज्ञान प्रदान करते हैं; अर्जुन जो एक महान योद्धा है और जिसका मन अपने ही परिजनों के साथ युद्ध करने के विचार से व्याकुल है। जो ज्ञान अर्जुन को भगवान श्रीकृष्ण से प्राप्त होता है, वह उसे सशक्त बनाता है और अपना धर्म का पालन करने हेतु समर्थ बनाता है।

इस गायत्री मन्त्र के आराध्य देवता भगवान श्रीकृष्ण हैं। आप श्रीगुरुमाई के वर्ष २०१९ के सन्देश के अपने अध्ययन व अभ्यास के एक भाग के रूप में 'कृष्ण गायत्री मन्त्र' को गा सकते हैं और उस पर ध्यान कर सकते हैं।

इस गायत्री मन्त्र की धुन की संगीत-रचना, विशेष रूप से इसी अध्ययन के उद्देश्य से की गई है। इसे 'सारंग राग' में स्वरबद्ध किया गया है जो भगवान श्रीकृष्ण से सम्बन्धित राग है। सारंग राग एक साधक के अन्तर में निहित अपने ईष्टदेव के प्रति भक्ति के अतिरेक, ललक और उत्कट प्रेम का आवाहन करती है।

© २०१९ एस. वाय. डी. ए. फाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।